an>

Title: Need to instruct Sports Authority of India not to close the training centres in Haryana.

श्री दुष्यंत चौटाला **(हिसार) : महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।**

मैं आपके संज्ञान में एक विषय लाना चाहता हूं कि स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के द्वारा एक स्कीम चलाई जा रही है, जिसके तहत खिलाड़ियों को रहने की, खाने की और किट्स आदि की सुविधाएं दी जाती हैं। मेरे संज्ञान में यह विषय आया है कि स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इसको बंद करने जा रही है। एक तरफ हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि ओलम्पिक के पोडियम तक हमारे खिलाड़ी पहुंचें और दूसरी ओर हम हमारे खिलाड़ियों को जो रेज़ीडेंशियल फेसीलिटीज़ दे रहे थे, जिसमें उनकी डाइट, खेलने के कपड़े, किट की सुविधा, रहने की जगह इत्यादि दे रहे थे, आज हम उनको बंद करने जा रहे हैं। चीन छः साल के बच्चे को एडॉप्ट करके उसको ट्रेन करता है, अमेरिका आठ साल के बच्चे को ट्रेन करना शुरू करता है, यू.के. आठ साल के बच्चे को ट्रेन करना शुरू करता है। अगर हमें उन लोगों से कम्पीट करना है तो हमें फिर से इस रेज़ीडेंशियल स्कीम को चलाना पड़ेगा। मेरे लोक सभा क्षेत्र हिसार में भी हॉकी की एक ऐसी ही रेज़ीडेंशियल स्कीम हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में चल रही है। भारत सरकार द्वारा निर्देश दिया गया है कि 10 मार्च से उस स्कीम को बंद कर दिया जाए। इससे वे खिलाड़ी कहां जाएंगे, जो पिछले पांच सालों से प्रैक्टिस कर रहे थे और हॉकी में अपने देश का नाम आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे?

मैं आपके माध्यम से खेल मंत्री जी से यह अपील करता हूं कि प्रधानमंत्री जी का जो सपना है- पढ़ेगा भारत, बढ़ेगा भारत और ओलम्पिक पोडियम तक वर्ष 2016 तक हमारे खिलाड़ियों को पहुंचाना है, उसके तहत इस स्कीम को दोबारा रिवाइव करने का काम करे।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Gajendra Singh Shekhawat, Shri P.P. Chaudhary, Shri Arvind Sawant, Shrimati Bhavana Pundalikrao Gawali, Shri Shrirang Appa Barne, Dr. Shrikant Eknath Shinde and Shri Ram Mohan Naidu Kinjarapu are permitted to associate with the issue raised by Shri Dushyant Chautala